डी०ए०पी० जो कि नियंत्रणमुक्त है की उपलब्धता बाजार शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है। खरीफ, 1997 के दौरान, बिक्री में कमी के बावजूद भी डी०ए०पी० की उपलब्धता संतोषजनक रही जिसके लिए भारी घरेलू उत्पादन और निजी व्यापार खाते में पर्याप्त आयात को धन्यवाद है। चालू रबी मौसम के दौरान डी०ए०पी० की तेज बिक्री हुई है और कुछ राज्यों में अस्थाई और स्थानीकृत कमियां रिपोर्ट हुई हैं। डी०ए०पी० का उत्पादन लक्ष्य से अधिक रहा है। इस समय सरकार द्वारा डी०ए०पी० का आयात करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

यूरिया के आयात में राज्य व्यापार निगम द्वारा भ्रष्टाचार

1118. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में कुल कितनी मात्रा में यूरिया और अन्य उर्वरकों का आयात किया गया है और इनका अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य क्या है;

(ख) देश में आयात किए जा रहे यूरिया की विशेषताएं क्या हैं;

(ग) क्या राज्य व्यापार निगम द्वारा यूरिया के आयात में लगातार भ्रष्टचार अपनाया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप आयात प्रक्रिया अत्यत संदेहजनक बताई जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो क्या इस संदर्भ में राज्य व्यापार निगम, निदेशक (विपणन) को दोषी पाया गया और उसकी भूमिका अत्यन्त संदेहजनक बताई जा रही है; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम): (क) यूरिया एकमात्र उर्वरक है जिसका मूल्य एवं वितरण सरकार के नियंत्रण में है। गत तीन वर्षों के दौरान आयात की गई यूरिया की मात्रा नीचे दी गई:

वर्ष	मात्रा (लाख टनों में)	अमेरिकी डालर में मूल्य (मिलियन)
1994-95	28.70	512.38
1995-96	37.82	874.41
1996-97	23.28	472.70

यूरिया के अलावा, आयात किए जा रहे अन्य प्रमुख उर्वरक डाई अमोनियम फास्फेट, (डी.ए.पी.) तथा म्यूरिएट आफ पोटाश (एम०ओ०पी०) हैं। डी.ए.पी. और एम.ओ.पी. जो अनियंत्रित उर्वरक है के आयात व्यापार खाते में मुक्त रूप से किए जा रहे हैं क्योंकि उन्हें क्रमशः 17.9.1992 और 17.6.1993 से असरणीवद्ध कर दिया गया है। यह विभाग उनके आयात की मात्रा तथा मूल्य का रिकार्ड नहीं रख रहा है।

(ख) मांग और स्वदेशी उपलब्धता के बीच के अन्तर को पूरा करने के लिए यूरिया का आयात किया जाता है। यह आयात इस समय तीन नामित अभिकरणों अर्थात् एम.एम.टी.सी. लि०, स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन (एसटीसी) और इंडियन पोटाश लि० (आईपीएल) के माध्यम से सरणीबद्ध हैं। वे देश जहां से गत तीन वर्षों के दौरान यूरिया आयात किए गए बंगला देश, बुल्गारिया। क्रोशिया, सीआईएस, जर्मनी इंडोनेशिया, कुवैत, लिबिया, पाकिस्तान कातार रोमानिया, साऊथ अरेबिया, यूएई, यूगोस्लाविया आदि हैं।

(ग) जी, नहीं। एस.टी.सी. सरकार द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों के अनुसार यूरिया की खरीद करता है।

(घ) और (ङ) प्रश्न नहीं उठता।

Drop in Net Profit of NFCL

1119. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether NFCL has announced a seven per cent drop in net profit for six months period, ending September 1997 as against corresponding six months of the previous year;

(b) if so, the details thereof and reasons therefor;

(c) whether NFCL, other income also stood lower at Rs. 11.69 crore as compared to Rs 12.32 crore earned previously; and

(d) if so, the reasons therefor and how Government propose to make good the losses?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) and (b) Nagarjuna Fertilizers and Chemicals Limited has indicated that the drop in its net

profit for the six months period ending September, 1997 as compared to profits recorded in the corresponding period of the previous years is about 6.8%. This is attributed to reduced sales turn over, increased interest expenditure and reduced 'other income'.

(c) Yes Sir.

(d) The reduction under the head 'other income' is mainly on account of lower earnings from deposits and investments. There is no obligation on the part of Government to make good this shortfall.

Asset Evaluation of Haldia Complex

1120. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to refer to answer to unstarred question No. 4458 given in the Rajya Sabha on 16th May, 1997 on evaluation of current assets of Haldia Project of HFC and State:

(a) whether the asset valuation of Haldia Complex made by PDIL was based on Assumption that all the equipments and machineries shall be dismantled;

(b) whether the asset valuation will be different on "as is where is basis"; in view of PDIL's assessment that majority of the equipments are operable;

(c) if so, whether the same is being redone; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) Yes, Sir.

(b) The valuation of assets will be different in the case of useable items.

(c) In the event of the disposal of the assets, the valuation will be redone as a part of the exercise of preparation of bid documents.

(d) Does not arise.

Rehabilitation scheme for sick P.S.Us

1121. SHRI MD. SALIM:
SHRI AMAR SINGH:
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether his Ministry has finalised the rehabilitation schemes for sick Public Sector Undertakings;

(b) if so, the details thereor; and

(c) by when these schemes are proposed to be completed?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) to (c) The Board for Industrial & Financial Reconstruction (BIFR) has sanctioned rehabilitation schemes for the following Central Public Undertakings under the administrative control of this Ministry:—

(i) Bengal Chemicals & Pharmaceuticals Ltd. (BCPL)

(ii)Bengal Immunity Ltd. (BIL)

(iii) Smith Stanistreet Pharmaceuticals Ltd. (SSPL)

(iv) Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd. (IDPL)

(v) Southern Pesticides Corporation Ltd. (SPEC)

(vi) Hindustan Flurocarbons Ltd. (HFL)

(vii) Projects & Development India Ltd. (PDIL)

The rehabilitation schemes in respect of BCPL, BIL and SSPL were sanctioned by the BIFR on 4.4.1995, 3.1.1995 and 31.8.1994 respectively with an implementation period of 10 years beginning from 1994-95. The Schemes inter-alia envisage higher production and sales, reduction in excess manpower through voluntary retirement scheme (VRS), capital restructuring, fresh financial support from the promoter and bankers, sacrifices from the employees and generation of resources through sale/disposal of surplus assets.